

This question paper contains 3 printed pages.

7116

Your Roll No.

M.A. / I

A

BUDDHIST STUDIES— Paper 01

[Pāli Language (Grammar, Translation and Essay)]

(Admissions of 2006 to 2008)

Time : 3 hours

Maximum Marks : 75

*(Write your Roll No. on the top immediately
on receipt of this question paper.)*

NOTE:— *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

All questions are compulsory.

सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं।

1. Discuss 'Apacca-bodhaka-paccaya' or Ithi-paccaya.

अपच्चबोधकपच्चय अथवा अत्थिपच्चय का विवेचन कीजिए। 20

Or (अथवा)

Define the term *Kāraka*. Describe the different types of *Kāraka* with suitable examples.

P. T. O.

कारक शब्द को परिभाषित कीजिए। कारक के विभिन्न भेदों का उपयुक्त उदाहरण सहित वर्णन कीजिए। 20

2. Write an essay on any *one* of the following in Pāli:

(a) Patīccasamuppāda

(b) Tilakkhaṇā

(c) Brahmavihāra

(d) Nibbāna.

निम्नलिखित में से किसी एक पर पालि में निबन्ध लिखिए:

(a) पटिच्चसमुप्पाद

(b) तिलक्खण

(c) ब्रह्मविहार

(d) निब्बान । 20

3. Examine critically the views of different scholars regarding the nomenclature of Pāli.

पालि के नामकरण के सन्दर्भ में विभिन्न विद्वानों के मतों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 15

Or (अथवा)

Critically analyse the different views of the scholars regarding the homeland of Pāli.

पालि के गृहक्षेत्र के सन्दर्भ में विद्वानों के भिन्न मतों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। 15

4. Translate any *two* of the following passages into English or Hindi:

(a) Tena samayena buddho bhagavā uruvelāyaṃ viharati najjā nerañjarāya tīre bodhirukkhamūle pathamābhisambuddho.

(b) Atha kho bhagavā bodhirukkhamūle sattāham ekapallankena nisīdi vimuttisukhapatisamvedī.

(c) Jāti nirodhā jarāmarañam sokaparideva-
dukkhadomanassupāyāsā nirujjhanti— evametassa
kevalassa dukkhakkhandha nirodho hotīti.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद अंग्रेज़ी अथवा हिन्दी में कीजिए:

(a) तेन समयेन बुद्धो भगवा उरुवेलायं विहरति नज्जा नेरञ्जराय तीरे बोधिरुक्खमूले पठमाभिसम्बुद्धो ।

(b) अथ खो भगवा बोधिरुक्खमूले सत्ताहं एक्कपल्लङ्केन निसीदि विमुत्तिसुखपटिसंवेदी ।

(c) जातिः निरोधा जराकरणं सोकपरिदेवदुक्खदोमनस्सुपायासा-
निरुज्जन्ति— एवमेतस्स केवलस्स दुक्खक्खन्धः निरोधो
होतीति ।

10×2=20